विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय-हिंदी ***दिनांक-21/10/2020***
वर्ग- तृतीय ***वर्ग-शिक्षिका— नीतू कुमारी***

पानी की खोज

सुप्रभात बच्चों ,

पिछली कक्षा में आपको व्याकरण पढ़ाया गया था। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप अध्ययन-सामग्री को पूरे मनोयोग से पढ़ते होंगे। आज कि कक्षा में आपको पानी की खोज कहानी का आगे का भाग पढ़ना है। जो कि इस प्रकार है। :—-

अब तक टीना सचमुच दुखी हो चुकी थी। उसने कभी सोचा भी नहीं था कि साफ़ पानी ढूँढना इतना कठिन होगा। "मुझे पीने, नहाने, और कपड़े धोने के लिए साफ़ पानी कहा से मिला करेगा?" टीना ने परेशान होते हुए पूछा।

जीटो ने बताया, "बड़ी-बड़ी मशीनों से नदियों, झीलों आदि के गंदे पानी को साँड़ किया जाता है एर नलों के द्वारा उसे घरों, कार्यालयों और कारख़ानों में भेजा जाता है। एक गिलास साफ़ पानी बनाने में बहुत मेहनत और समय लगता है।"
"अच्छा"। टीना आश्चर्य से बोली।

"हाँ, बिलकुल। सोचो, क्या तुम एक दिन भी पानी के बिना रह सकती हो?"

"न, मैं पानी के बिना बिलकुल भी नहि रह सकती। लेकिन, उपाय क्या है?" टीना चिंतित थी।

बच्चों, आज के लिए इतना ही, शेष अगली कक्षा में।

गृहकार्य:—
बच्चों, दी गयी अध्ययन-सामग्री को पढ़कर समझने का प्रयास करें तथा कठिन शब्द छाँटकर लिखें।